ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-६५
दिनांक-शुक्रवार,७ सितम्बर,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.६ एवं २६.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९० सुबह में एवं दोपहर में ८१ प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.१ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.७ एवं दोपहर में ३३.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में १८.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

• मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(८ से १२ सितम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ८ से १२ सितम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मानसून के सक्रिय रहने के कारण सामान्य से अधिक वर्षा होने का अनुमान है। ९ सितम्बर के बाद वर्षा की सक्रियता में हल्की वृद्धि हो सकती है। इस अवधि में तराई तथा मैदानी भागों के जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३१ से ३३ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २४ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ५ से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है। हाँलाकि ११ सितम्बर को कहीं-कहीं पुरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ७० से ७५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्तमान मौसम परिस्थितकी पौधशाला में आद्रगलन (डेम्पिग ऑफ) रोग के विस्तार के लिए अनुकूल है। यह एक कवक द्वारा फैलने वाला मृदा जनित रोग है, जिसमें पौधशाला के नवजात अंकुरित पौध के तने जड़ के ऊपर भूमि के पास से सड़ जाते है और पौध मर जाते है। रोग की तीव्रता की स्थिती में रोग ग्रस्त पौध क्यारीयों में गुच्छों में दिखता है। कभी-कभी पूरा नर्सरी नष्ट हो जाता है। इस रोग से वचाव हेतु ट्राइकोडरमा से मृदा उपचार कर उपचारीत बीज की बुआई करें। सघन बीज नहीं गिरावें, अधिक गहराई में बीज की बुआई नहीं करे। जल निकास की उचित व्यवस्था रखें। पौधशाला में रोग की विस्तार की स्थिती में कॉपर आक्सीक्लोराइड २.५ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर समान रुप से छिड़काव करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- किसान भाई इस माह की १५ सितम्बर तक अरहर की बुआई उचॅास जमीन में संपन्न कर ले। इसके लिए पूसा-९ एवं शरद प्रभेद अनुशंसित है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर,२० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। जुन-जुलाई में बोयी गई अरहर की फसल में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०-१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १ किलोग्राम सोडियम मालिब्डेट या अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। अगात रोपी गयी फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए *प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पूसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड* किस्में अनुशंसित है।
- अगात मूली की बुआई करें। इसके लिए *पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त* आदि प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५ X१० से०मी० की दुरी पर बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.९ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः२५.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.४ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी